कार्यालय-प्राचार्य, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
राजनांदगांव (छ.ग.)

Web site- www.gdcr.ac.in
महाविद्यालय कोड–1901

Email: principal@digvijaycollege.com
☎ & Fax 07744-296331

क्र/ GDCR/ २१०५/ 2022 — राजनांदगांव दिनांक 23 /02/2022

प्रति–

अधिष्ठाता, कला संकाय

इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

विषय : विस्तार गतिविधि और बेस्ट प्रैक्टिसेज के तहत विद्यार्थियों के परस्पर मिलन बाबत।

महोदय

विषयान्तर्गत लेख है कि इस संस्था के हिंदी, संस्कृत और पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थी आपकी संस्था में 26 फरवरी 2022 को नाट्य एवं हिंदी विभाग द्वारा महादेवी वर्मा और माधवराव सप्रे पर आयोजित साहित्यिक व्याख्यान में सहभागी बनना चाहते हैं। इस आयोजन में प्रत्येक विभाग से अधिकतम दस विद्यार्थी अपने प्राध्यापकों के मार्गदर्शन में संयुक्त रुप से सहभागी बनेंगे।

अतः कृपया अनुमति प्रदान की जाए ताकि हमारी संस्था अपने एम.ओ.यू. के तहत लाभान्वित हो सके।

डॉ. के.एल. टांडेकर
प्राचार्य,
शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय
राजनांदगॉव (छ.ग.)

प्रतिवेदन सत्र– 2021–22

संगीत विश्वविद्यालय का किया भ्रमण

26 फरवरी 2022 :

दिग्विजय महाविद्यालय के तीन विभागों के कुल 30 विद्यार्थियों ने अपने विभागीय प्राध्यापकों के साथ इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ के साहित्यिक आयोजनो में संयुक्त रुप से शामिल होकर अपना ज्ञानवर्द्धन किया। ये कार्यक्रम दोनो संस्थाओं के साथ हुए एम. ओ. यू. अनुबंध के तहत आयोजित थे।

प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर के निर्देशन में महाविद्यालय के हिंदी, संस्कृत और पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों को वहां पूर्व निर्धारित क्लासिकल चर्चा गोष्ठी में भाग लेने के लिए भेजा गया था। इस यात्रा में हिंदी विभाग से डॉ. शंकर मुनि राय, नीलम तिवारी, संस्कृत से डॉ. दिव्या देशपाण्डेय, महेन्द्र नगपुरे तथा पत्रकारिता से अमितेश सोनकर के नेतृत्व में प्रत्येक विभाग से दस–दस विद्यार्थी शामिल हुए थे।

संगीत विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में महादेवी वर्मा और माधवराव सप्रे पर आधारित साहित्यिक गोष्ठी आयोजित थी, जिसमें स्नातकोत्तर और शोध छात्रों ने भाग लिया। महादेवी के सांस्कृतिक विचार और माधवराव सप्रें के पत्रकारीय दर्शन पर विश्वविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मृदुला शुक्ल, डॉ. राजन यादव, डॉ. शंकर मुनि राय तथा नीलम तिवारी और अमितेश सोनकर ने अपने विचार प्रकट किये। इसी प्रकार संस्कृत विभाग में संस्कृत कथा साहित्य और नाटक पर आधारित गोष्ठी में डॉ. पूर्णिमा केलकर, डॉ. दिव्या देशपाण्डे तथा महेन्द्र नगपुरे ने अपने विचार प्रकट किये।

इस आयोजन में विश्वविद्यालय के नाटक विभाग द्वारा फणीश्वर नाथ रेणु की प्रसिद्ध कहानी 'पंचलाइट' की नाट्य प्रस्तुति दिखाई गई। उसके बाद विद्यार्थियों को मूर्तिकला, चित्रकला, गायन–वाद, लोकसंगीत तथा नृत्य विभाग में ले जाकर वहां की कला कृतियों की प्रदर्शनी तथा गायन–वादन की प्रस्तुति दिखाई गई।
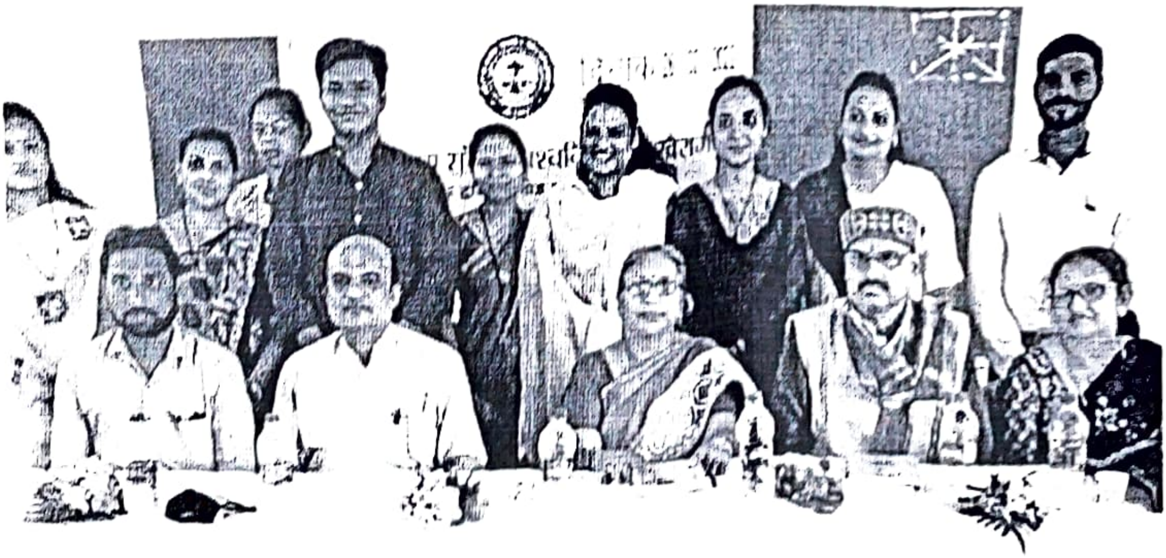
organized for the students. Dr. I D Tiwari ...